

भारत सरकार  
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3772  
उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2025  
सोमवार, 03 चैत्र, 1947 (शक)

**नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए कौशल**

3772. श्री पी. सी. मोहन:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए कौशल पहल के माध्यम से प्राप्त परिणाम क्या हैं और इस क्षेत्र की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए कार्यान्वित किए गए किसी भी विशेष कार्यक्रम का व्यौरा क्या है;

(ख) सौर, पवन और ग्रीन हाइड्रोजन उद्योगों में कार्यवल को कुशल बनाने के प्रयासों और उद्योग हितधारकों के साथ सहयोग सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए कौशल भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय स्तर पर क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) क्या नवीकरणीय ऊर्जा कौशल विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और क्या बैंगलुरु के लिए ऐसे केंद्र पर विचार किया जा रहा है?

**उत्तर**

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ख): भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं अर्थात् प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस), देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, पुनः कौशल और कुशलोन्यन्यन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग प्रासंगिक कौशल से लैस करके भविष्य के लिए तैयार करना है।

ग्रीन जॉब्स में एमएसडीई की योजनाओं के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों का विवरण निम्नानुसार है:

स्कीम	प्रशिक्षित उम्मीदवार
पीएमकेवीवाई (वर्ष 2015-16 से दिनांक 31.02.2024)	5,02,182
जेएसएस (वर्ष 2023-24 से दिनांक 28.02.2025)	1,356
एनएपीएस (वर्ष 2018-18 से दिनांक 28.02.2025)	7,517
सीटीएस (आईटीआई) (वर्ष 2018-19 से वर्ष 2024-25)	20,161

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न खंडों में कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए विभिन्न क्षमता निर्माण और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। विवरण इस प्रकार हैं:

(i) मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत कौशल: मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अल्पावधि घटक के अंतर्गत अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की उचित स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए कुशल/प्रशिक्षित तकनीशियनों का निर्माण किया जाता है। सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी, 2025 तक 57372 उम्मीदवारों को सौर पीवी प्रणालियों की स्थापना, कमीशनिंग और संचालन एवं रखरखाव में प्रशिक्षित किया गया है। वरुणमित्र कार्यक्रम के अंतर्गत 1276 उम्मीदवारों को राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई), गुरुग्राम के माध्यम से कार्यान्वित सौर जल पंपिंग तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है। वायुमित्र कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी, 2025 तक पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पवन ऊर्जा संयंत्र तकनीशियनों के रूप में 196 प्रशिक्षकों और 2160 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है। जल-ऊर्जामित्र कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी, 2025 तक लघु जल विद्युत परियोजनाओं के रखरखाव के लिए 54 प्रशिक्षकों और 515 उम्मीदवारों को लघु जल विद्युत संयंत्र तकनीशियन के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

(ii) पीएम-सूर्य घर-मुफ्ती बिजली योजना के तहत क्षमता निर्माण: इस योजना का उद्देश्य कौशल विकास और कौशल उन्नयन के माध्यम से तीन (3) लाख से अधिक कुशल जनशक्ति तैयार करना है, जिसमें से कम से कम 1 लाख सौर तकनीशियन होंगे। तकनीशियनों / इलेक्ट्रीशियनों / इंस्टालरों / इंजीनियरों / पर्यवेक्षकों / विक्रेताओं / डिस्कॉम अधिकारियों / प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (नीसबड), राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई), सेक्टर काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे), आदि के माध्यम से सौर रूफ टॉप सिस्टम की स्थापना/डिजाइन/संचालन और रखरखाव के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। अब तक इस योजना के तहत कुल 66,434 कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(iii) ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत कौशल: राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) के तहत ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र के लिए कुशल जनशक्ति एनजीएचएम के अंतर्गत कौशल, कौशलोन्न्यन और पुनर्कौशलीकरण संबंधी एक योजना के माध्यम से बनाई जा रही है। ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में कुल 1673 अभ्यर्थियों, 150 प्रशिक्षकों और 63 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

एमएसडीई की योजनाएं मांग आधारित हैं और इन योजनाओं के तहत प्रशिक्षण केंद्र आवश्यकता के आधार पर स्थापित या संचालित किए जाते हैं। कर्नाटक राज्य के बैंगलुरु शहरी और बैंगलुरु ग्रामीण जिलों में एमएसडीई की योजनाओं के तहत संचालित प्रशिक्षण केंद्रों का विवरण इस प्रकार है:

स्कीम	पीएमकेवीवाई 4.0 केंद्र	जेएसएस केंद्र	एनएपीएस प्रस्तिष्ठान	सीटीएस (आईटीआई) (वर्ष 2023-24 सत्र)	
				राजकीय	निजी
कर्नाटक	457	12	2,452	274	1,192
बैंगलुरु	74	01	1,565	17	52

एमएसडीई के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने उद्योगपतियों के नेतृत्व में ग्रीन जॉब्स के लिए कौशल परिषद (एससीजीजे) की स्थापना की है, जिसका काम क्षेत्र की कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान करना और कौशल अहंता मानकों का निर्धारण करना है। एससीजीजे ने बताया है कि उन्होंने टाटा पावर, महाराष्ट्र और गुजरात ऊर्जा अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान (जीईआरएमआई), गुजरात के साथ मिलकर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की है। एससीजीजे के पास बैंगलुरु, कर्नाटक राज्य में 08 प्रशिक्षण केंद्र भी हैं।

\*\*\*\*\*